दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

आवश्यक सूचना

दिनांक : 02.08.18

महाविद्यालय की सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि आज दिनांक 02.08.18 को Department of Art & Cultural Affairs, Govt. of Haryana के सौजन्य से महाविद्यालय के हॉल में Travel Exhibition लगाई जा रही है। सभी छात्राएं Free Periods में Exhibition का आनन्द उठाएं।

प्राचार्या

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

HARYANA
PROCLAMATION
HARYANA
PROCLAMATION
HARYANA
PROCLAMATION

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

देश म्है देश हरियाणा, जित दूध-दही का खाना। ऐसे हरियाणा प्रदेश की समृद्धशाली एवं गौरवमयी सांस्कृतिक विरासत की कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग और सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग के प्रैस कन्ट्रोल रूम ने फोटो प्रदर्शनी के रूप में संरक्षित किया है। ऐसी अनूठी ट्रैवल्स फोटो प्रदर्शनी का आयोजन वीरवार 02.08.18 को दयानन्द महिला महाविद्याल, कुरुक्षेत्र में किया गया जिसके माध्यम से छात्राएं हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रुपों से रू-ब-रू हुई।

फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ प्राचार्या श्रीमती अनीता गुप्ता ने दीप प्रज्वलित करके किया। साथ ही उन्होंने प्रदर्शनी के सफल आयोजन पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने हेरिटेज के पोस्टर का भी लोकार्पण किया जिसे गांव-गांव में लगवाकर प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का संदेश दिया जाएगा। इस दौरान कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से कॉलेज की टूरिज्म विभाग की 35 सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के 500 एक्सकलूसिव फोटो प्रदर्शित किए गए है। जबकि विभाग के पास दो लाख फोटोग्राफ उपलब्ध हैं। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरा खण्डेलवाल की पहल पर समस्त हरियाणा प्रदेश में फोटो प्रदर्शिणी का आयोजन किया जाएगा, जिसके पहले चरण में 11 जिलों को शामिल किया गया है। इनमें पंचकूला, अम्बाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, जीन्द, यमुनानगर, भिवानी को शामिल किया गया है।

फोटो प्रदर्शनी में हरियाणा को कल आज और कल विषय के तहत दर्शाया जा रहा है। हरियाणा के गौरवमयी अतीत को फोटोग्राफ में समेटने को अनूठा प्रयास किया गया है। प्रदर्शनी में हरियाणा की ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनके विषय में शायद ही आज की युवा पीढ़ी को कोई जानकारी हो। प्रदेश के सभी जिलों में व्याप्त ऐतिहासिक धरोहरों की फोटों क्लिक करके एक संग्रह तैयार किया गया है जिसे प्रदर्शनी में दर्शाया जा रहा है। इनमें जींद की एक ऐसी धरोहर है जिसमें निराले भिति चित्र है। इन भिति चित्रों को देखने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। प्रैस कन्ट्रोल के सीईओ विनय मलिक बताते है कि भिति चित्रों को देखने के लिए दिवारों पर लगवाकर कई घन्टों तक पानी फैंकना पड़ता है। इसके बाद ही दिवारों पर चितिंत किए गये भिति चित्र नजर आते है। ऐसे भिति चित्रों को कैमरें की नजर से दिखाने के लिए प्रदर्शनी में प्रमुखता से दर्शाया गया है। इन छात्राओं ने प्रदर्शनी में सैल्फी लेने का मौका नहीं चूका। उन्होंने कहा कि ऐसा अवसर बार-बार नहीं मिलता। कॉलेज की सैंकड़ों छात्राओं ने प्रदर्शनी में सैल्फी ली।

प्रदर्शनी में हरियाणा के बीते हुए स्वर्णिम काल को दर्शाया गया है। प्राचीन आभूषणों को देखकर छात्राएं रोमांचित हो उठी। कंठी, कड़े, तागड़ी, कड़ीछलकड़े, तातीपाती, बुजनी आदि को प्रदर्शित किया गया। बदलते परिवेश के साथ आधुनिक रूप में बदल रहे हरियाणा की तस्वीर को मैट्रो और केजीपी आदि विकास की बुलंद तस्वीरों के साथ प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी को तैयार करने में प्रमुख भूमिका अदा करने वाली ग्राफिक्स डिजाइनर मोनिका के अनुसार प्रदर्शनी को जीवंत रूप देने का भरसक प्रयास किया गया है। प्रदर्शनी के माध्यम से बदलते पहनावें तथा संसाधनों को भी प्रदर्शित किया गया है। हरियाणा के विकास की कहानी को फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से प्रभावी रूप में दर्शाया गया।

दैनिक जागरण - 3/08/2018

ट्रेवल्स फोटो प्रदर्शनी में उपस्थित छात्राएं • जागरण

सैकड़ों शब्द बयां करती है एक तस्वीर

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : दयानंद महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता गुप्ता ने कहा कि एक तस्वीर सैकड़ों शब्दों को एक बार में बोल सकती है। फोटो हमारी सांस्कृतिक धरोहरों के दर्शाने के साथ ही कई प्रकार से लोगों को जागरुक करने का काम करती है। इसके अलावा एक फोटोग्राफर या चित्रकार अपने मनोभावों को प्रदर्शित कर सकता है। वे महाविद्यालय में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से आयोजित ट्रेवल्स फोटो प्रदर्शनी के शुभारंभ अवसर पर बोल रही थी। फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से छात्राएं हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रूपों से रूबरू हुई। मुख्यातिथि ने इस अवसर पर हेरिटेज के पोस्टर का भी लोकार्पण किया। जिसे गांव-गांव में लगवाकर प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का संदेश दिया जाएगा। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से कॉलेज की टूरिज्म विभाग की 35 सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के 500 एक्सक्लुसिव फोटो प्रदर्शित किए गए हैं। जबकि विभाग के पास दो लाख फोटोग्राफ उपलब्ध हैं। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरा खण्डेलवाल की पहल पर समस्त प्रदेश में फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक भास्कर - 03/08/18

फोटो प्रदर्शनी में 35 छात्राएं सम्मानित

कुरुक्षेत्र। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के प्रेस कंट्रोल रूम ने दयानंद महिला कॉलेज में फोटो प्रदर्शनी लगाई। इसका शुभारंभ प्रिंसिपल अनीता गुप्ता ने किया। उन्होंने हेरीटेज पोस्टर का भी लोकार्पण किया। मौके पर कॉलेज की टूरिजम विभाग की 35 छात्राओं को सम्मानित किया गया। फोटो प्रदर्शन में अम्बाला, पंचकूला, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, जींद, यमुनानगर और भिवानी जिलों की फोटो प्रदर्शित की गई। मौके पर प्रैस कंट्रोल के सीईओ विनय मलिक और ग्राफिक डिजाइनर मोनिका ने भी विचार रखे।

पंजाब केसरी - 03/08/18

दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ करवाती प्राचार्या व अ (अरोड़ा)

सांस्कृतिक विरासत एवं कला की फोटो प्रदर्शनी लगाई

कुरुक्षेत्र, 2 अगस्त (अरोड़ा): सलारपुर रोड स्थित दयानंद महिला महाविद्यालय में हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत की कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग और भाषा विभाग के प्रैस कंट्रोल रूम ने फोटो प्रदर्शनी के रूप में संरक्षित किया। इसके माध्यम से छात्राएं हरियाणवी संस्कृति के रूपों से रू-ब-रू हुईं। फोटो प्रदर्शनी का शुभारम्भ प्राचार्या अनीता गुप्ता ने दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने हैरिटेज के पोस्टर का भी लोकार्पण किया जिसे गांव-गांव में लगवाकर प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का संदेश दिया जाएगा। कालेज की टूरिज्म विभाग की 35 सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी में 500 एक्सक्लूसिव फोटो प्रदर्शित किए गए हैं, जबकि विभाग के पास 2 लाख फोटोग्राफ उपलब्ध हैं। प्रैस कंट्रोल के सी.ई.ओ. विनय मलिक ने बताया कि भित्ती चित्रों को देखने के लिए दीवारों पर लगवाकर कई घंटों तक पानी फैंकना पड़ता है। ग्राफिक्स डिजाइनर मोनिका के अनुसार प्रदर्शनी को जीवंत रूप देने का भरसक प्रयास किया गया है।